Mr. Sanjay Sharma

Assistant Professor

Department of Education

(UG and PG)

Subject -Education

Nehru Gram bharati

Deemed to be university.....

Scanned with CamScanner

शिक्षा मनोविज्ञान के उद्देश्य

(Aims of Educational Psychology)

शिक्षा मनोविज्ञान का उद्देश्य शिक्षा के उद्देश्यों की प्राप्ति में सहायता करना है। शिक्षा का उद्देश्य व्यक्ति की अन्तर्निहित शक्तियों का अधिकतम सम्भव, सहज, स्वाभाविक तथा सर्वांगीण विकास करके उसे समाज का एक उपयोगी नागरिक बनाना है। अतः शिक्षा मनोविज्ञान का मुख्य उद्देश्य भी यही होना चाहिए। शिक्षा मनोविज्ञान के इस प्रमुख उद्देश्य को दो भागों में विभक्त किया जा सकता है –प्रथम, छात्रों के व्यवहार को अधिक से अधिक समृद्ध करना तथा द्वितीय, अध्यापकों को अपने शिक्षण में सुधार करने में सहायता प्रदान करना। इन दोनों मुख्य उद्देश्यों को ध्यान में रखकर कहा जा सकता है कि शिक्षा मनोविज्ञान के प्रमुख उद्देश्य निम्नांकित हैं –

(i) छात्रों की योग्यताओं, क्षमताओं तथा सामर्थ्य का ज्ञान प्राप्त करना।

(ii) छात्रों की रुचियों का ज्ञान प्राप्त करना।

(iii) छात्रों की विकासात्मक विशेषताओं को ज्ञात करना।

(iv) छात्रों की अवस्थाओं के अनुरूप उन्हें विकास की ओर अग्रसर करना।

(v) छात्रों के वंशानुक्रम का ज्ञान प्राप्त करना।

(vi) छात्रों के वातावरण का अध्ययन करना।

(vii) मानव विकास की विभिन्न अवस्थाओं का अध्ययन करना।

(viiii) मानव विकास के विभिन्न पक्षों का अध्ययन करना।

(ix) व्यक्तिगत भिन्नताओं का अध्ययन करना।

(x) सीखने की प्रक्रिया का अध्ययन करना।

(xi) शिक्षण सिद्धान्तों व शिक्षण विधियों का अध्ययन करना।

(xii) शिक्षण सामग्री तथा अधिगम सामग्री का निर्माण करना।

(xiii) छात्रों के विशिष्ट व्यवहारों का अध्ययन करना।

(xiv) शैक्षिक समस्याओं का अध्ययन करना।

Scanned with CamScanner

शिक्षा मनोविज्ञान का महत्व

(Importance of Educational Psychology)

आधुनिक शिक्षा व्यवस्था में शिक्षा मनोविज्ञान का स्थान अत्यधिक महत्वपूर्ण है। शिक्षा के उद्देश्यों को प्राप्त करने में शिक्षा मनोविज्ञान एक अत्यन्त महत्वपूर्ण भूमिका अदा करता है। शिक्षार्थी, शिक्षक तथा शिक्षा-व्यवस्था तीनों ही दृष्टि से शिक्षा मनोविज्ञान का महत्व व उपयोगिता असंदिग्ध है। शिक्षा से सम्बन्धित अनेकों प्रश्नों का उत्तर शिक्षा मनोविज्ञान ही प्रदान करता है। वालक की शिक्षा कव प्रारम्भ करनी चाहिए? सहज ढंग से सीखना कैसे सम्भव हो सकता है? किस प्रकार से शिक्षण को प्रभावशाली वनाया जा सकता है? भाषा को सरलता से कैसे सिखाया जा सकता है? शीघ्र व रोचक ढंग से पाठ्यवस्तु को कैसे स्मरण किया जा सकता है? छात्रों की मानसिक योग्यताओं का ज्ञान कैसे प्राप्त किया जा सकता है? पाठ्यक्रम की रचना कैसे की जानी चाहिए ? अमुक वालक को माध्यमिक शिक्षा के उपरान्त किस प्रकार के पाठ्यक्रम में प्रवेश लेना चाहिए? जैसे अनेकानेक प्रश्नों का उत्तर शिक्षा मनोविज्ञान ही प्रदान कर सकता है। वास्तव में शिक्षा मनोविज्ञान दो प्रमुख ढंग से शिक्षा प्रक्रिया में अपना योगदान देता है– प्रथम, शिक्षा मनोविज्ञान के द्वारा शिक्षा के सिद्धान्त (Theory of Education) के क्षेत्र में योगदान किया जाता है तथा द्वितीय, शिक्षा मनोविज्ञान के द्वारा शिक्षा के अभ्यास (Practice of Education) सम्बन्धी क्षेत्र में योगदान किया जाता है। शिक्षा के इन दोनों क्षेत्रों में किया जाने वाले योगदान की प्रकृति व महत्व का ज्ञान पाठकों को शिक्षा मनोविज्ञान के निम्नांकित कार्यों के अवलोकन से स्पष्ट हो सकेगा –

(i) विकासात्मक विशेषताओं को समझने में (To Understand Developmental Characteristics)

(ii) अधिगम की प्रकृति को समझने में (To Understand the Nature of Learning)

(iii) व्यक्तिगत भिन्नताओं को समझने में (To Understand Individual Differences)

(iv) प्रभावशाली शिक्षण विधियों को समझने में (To Understand Effective Teaching Methods)

Scanned with CamScanner

(v) बालकों की समस्याओं को समझने में (To Understand Problems of Children)

(vi) मानसिक स्वास्थ्य का ज्ञान व संरक्षण (Knowledge and Preservation of Mental Health

(vii) पाठ्यक्रम निर्माण में सहायता (Help in Curriculum Construction)

(viii) अधिगम परिणामों का मापन (Measurement of Learning Outcomes)

(ix) विशिष्ट बालकों की शिक्षा (Education of Exceptional Children)

(x) समूह गत्यात्मकता की समझ (Understanding of Group Dynamics)

(xi) शिक्षण में सहायक सामग्री का प्रयोग (Use of Learning Material in Teaching)

(xii) शैक्षिक प्रशासन को प्रभावी बनाना (Managing Effective Educational Administration)

(xiii) अनुकूलन समय सारणी बनाना (Optimum Time Table Preparing)

(xiv) पाठ्य-सहगामी क्रियाएँ (Co-curricular Activities)

(xv) पाठ्य पुस्तकें रचना (Text Books Writing)

(xvi) शिक्षा संस्थाओं में अनुशासन (Maintaining Discipline in Educational Institutions)

स्पष्ट है कि शिक्षा मनोविज्ञान का शिक्षा के क्षेत्र में एक अत्यंत महत्वपूर्ण स्थान है। वास्तव में शिक्षा मनोविज्ञान ने शिक्षा के क्षेत्र में एक क्रांति सी कर दी है। शिक्षा मनोविज्ञान ने शिक्षा को एक नया स्वरूप प्रदान किया है जिसके फलस्वरूप आधुनिक समय में शिक्षा-प्रक्रिया में बालक को एक महत्वपूर्ण स्थान प्रदान किया जाता है। प्राचीन काल में शिक्षार्थियों को शिक्षा-प्रक्रिया में गौण स्थान दिया जाता था, परंतु अब शिक्षार्थी का स्थान सर्वोपरि है। अब बालकों की रुचि, योग्यता तथा परिस्थिति के अनुरूप शिक्षा प्रदान करने पर बल दिया जाता है। बालक का सहज विकास हो सके, इसके लिए पाठ्यक्रम, पाठ्यपुस्तक, समय सारणी शिक्षण विधियों को नित्य प्रतिदिन नूतन व नवीन रूप दिया जा रहा है। अब छात्रों की शैक्षिक सामाजिक तथा व्यावसायिक समस्याओं का मनोवैज्ञानिक ढंग से निदान व समाधान किया जाता है। बालकेन्द्रित शिक्षा के फलस्वरूप शिक्षा सम्बन्धी दृष्टिकोण में आमूल परिवर्तन आ गया है। परम्परागत, शुष्क तथा निष्क्रिय प्रक्रिया के स्थान पर शिक्षा को एक आनन्ददायी तथा सक्रिय भागीदारी वाली क्रिया बनाने का प्रयास किया जा रहा है। पहले शिक्षा का अर्थ बालक को अधिकाधिक ज्ञान प्रदान करना मात्र था, परंतु अब शिक्षा का अर्थ बालक को उचित परामर्श देकर उसके सर्वांगीण एवं सर्वोत्तम विकास का मार्ग प्रशस्त करना है।

Scanned with CamScanner

अध्यापक के लिए मनोविज्ञान की उपयोगिता

(Utility of Psychology for the Teacher)

विगत पृष्ठों में स्पष्ट किया जा चुका है कि आधुनिक शिक्षा के क्षेत्र में मनोविज्ञान का कितना महत्वपूर्ण स्थान है। शिक्षा मनोविज्ञान शिक्षा सम्बन्धी समस्याओं का विवेचन, विश्लेषण और समाधान प्रस्तुत करता है इसलिए शिक्षा-प्रक्रिया में संलग्न व्यक्तियों के लिए शिक्षा मनोविज्ञान का अध्ययन करना अत्यंत आवश्यक है। अध्यापक कक्षा में चलने वाली वास्तविक शिक्षा-प्रक्रिया का निर्देशक होता है। वह छात्रों के सम्मुख सीखने की परिस्थितियों को प्रस्तुत करके उनके शैक्षिक विकास का मार्ग प्रशस्त करता है। अतः अध्यापक के लिए शिक्षा मनोविज्ञान का ज्ञान अत्यंत आवश्यक, महत्वपूर्ण व उपयोगी है। शिक्षा मनोविज्ञान के ज्ञान के अभाव में कोई भी अध्यापक अपने कार्य को कुशलतापूर्वक सम्पादित नहीं कर सकता है। आधुनिक समय में शिक्षा मनोविज्ञान का ज्ञान ही अध्यापक की सफलता का रहस्य होता है। अपने शिक्षण कार्य को सफल बनाने के लिए तथा छात्रों के सीखने को सरल, सहज व आनन्दमय बनाने के लिए अध्यापक को मनोविज्ञान के विभिन्न सिद्धान्तों का उपयोग करना होता है। छात्रों की रुचि, योग्यता आवश्यकता, परिस्थिति आदि के अनुरुप शिक्षण कार्य करने के लिए अध्यापक को शिक्षा मनोविज्ञान के ज्ञान, बोध

Scanned with CamScanner

कौशल तथा विधियों में निपुणता होना अत्यन्त आवश्यक है। अध्यापकों के लिए मनोविज्ञान का अध्ययन निम्नांकित दृष्टियों से उपयोगी है–

(i) शिक्षा मनोविज्ञान अध्यापकों को शिक्षा सम्बन्धी सम्यक् दृष्टिकोण प्रदान करता है।

(ii) शिक्षा मनोविज्ञान कक्षा में उपयुक्त शैक्षिक वातावरण उत्पन्न करने में सहायता प्रदान करता है।

(iii) शिक्षा मनोविज्ञान अध्यापक को छात्रों के प्रति प्रेम, सहानुभूति तथा समदर्शी व्यवहार को अपनाने में सहायता करता है।

(iv) शिक्षा मनोविज्ञान अध्यापक को श्रेष्ठ शिक्षण विधियों की जानकारी देता है एवं उनमें पारंगतता प्रदान करता है।

(v) शिक्षा मनोविज्ञान अध्यापक को बाल-स्वभाव के ज्ञान तथा मानव व्यवहार की प्रकृति से परिचित कराता है।

(vi) शिक्षा मनोविज्ञान शिक्षा के क्षेत्र में व्यक्तिगत विभिन्नताओं को ध्यान में रखना सिखाता है।

(vii) शिक्षा मनोविज्ञान अनुशासन बनाए रखने के मनोवैज्ञानिक तरीकों की जानकारी देता है।

(viii) शिक्षा मनोविज्ञान पाठ्य-निर्माण एवं पाठ्य पुस्तक रचना करने में सहायता प्रदान करता है।

(ix) शिक्षा मनोविज्ञान बालकों के चतुर्मुखी विकास की विभिन्न विधियों तथा आयामों की जानकारी प्रदान करता है।

(x) शिक्षा मनोविज्ञान छात्रों को शैक्षिक तथा व्यावसायिक मार्गदर्शन प्रदान करने में अध्यापक की सहायता करता है।

(xi) शिक्षा मनोविज्ञान अध्यापकों तथा प्रशासकों को मापन तथा मूल्यांकन की नवीन विधियों से परिचित कराता है।

उपरोक्त से स्पष्ट है कि अध्यापकों के लिए शिक्षा मनोविज्ञान का अध्ययन अत्यन्त लाभप्रद सिद्ध हो सकता है। शिक्षा मनोविज्ञान के सम्प्रत्ययों, सिद्धान्तों तथा विधियों का व्यावहारिक परिस्थितियों में उपयोग करके शिक्षक अपने शिक्षण कार्य को प्रभावी बना सकता है। वास्तव में यह कहना उचित ही होगा कि शिक्षा-प्रक्रिया से सम्बन्धित सभी व्यक्ति यथा प्रशासकों, अध्यापकों तथा अभिभावकों के लिए शिक्षा मनोविज्ञान का ज्ञान अत्यन्त उपयोगी तथा आवश्यक है।

Scanned with CamScanner

Scanned with CamScanner